भारत के राष्ट्रपति,

श्री राम नाथ को वन्द

का

मद्यपान और मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम में उत्कृष्ट सेवाओं के लए राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में सम्बोधन

वज्ञान भवन, नई दिल्ली: **26** जून, **2018**

1. मादक पदार्थों के दुरुपयोग की चुनौती के कारण दिसंबर , 1987 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में 26 जून को , यानि आज के दिन को मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध व्यापार के वरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लया गया। यह पूरे वश्व समुदाय का इस समस्या के वरुद्ध एक सामूहिक संकल्प है। भारत की आबादी और भौगो लक स्थिति के कारण इस वश्व-संकल्प में हमारी भू मका बहुत महत्वपूर्ण है।

2. भारत में मद्यपान तथा मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम के क्षेत्र में, असाधारण योगदान देने के लए आज राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित व्यक्तियों और संस्थाओं के प्रतिनि धयों को , मैं बधाई देता हूं। आज पुरस्कार पाने वाले सभी व्यक्ति तथा संस्थाएं एंटी-ड्रग-मूवमेंट में हमारे एंबेसडर हैं।

3. आज के पुरस्कारों से इस मनोवैज्ञानिक , सामाजिक और मे डकल समस्या की गंभीरता और वस्तार का जायज़ा मलता है। हमने आज की फल्म में यह देखा क इस समस्या के उदाहरण गोआ से ओ डशा तक और पंजाब से केरल तक फैले हुए हैं। ले कन साथ ही इस समस्या के वरुद्ध संघर्ष करने के लए व्यापक स्तर पर तैयार हो रही भागीदारी भी देखने को मली है। समाज को नशा मुक्त बनाने के लए पंचायती राज संस्थाओं , शक्षण

संस्थानों, ग़ैर सरकारी संस्थाओं , कम्यूनिटी बेस्ड ऑर्गनाइजेशन्स , शोध संस्थानों, जागरूकता बढ़ाने में तत्पर संस्थाओं तथा व्यक्तिगत स्तर पर योगदान देने वाले वशेषज्ञों और सामान्य नागरिकों को इस भागीदारी के लए प्रेरित करने हेतु सामाजिक न्याय और अ धकारिता मंत्रालय की मैं सराहना करता हूं।

दे वयों और सज्जनों,

4. वश्व इतिहास में, दूसरे देशों पर अ धकार प्राप्त करने के लए वहाँ नशीले पौधों की खेती कराने तथा वहाँ के समाज में नशा करने वालों की तादाद बढ़ाने के अ प्रय उदाहरण मलते हैं। आज भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 'ड्रग मा फया' के दुष्प्रभाव के बारे में पूरा वश्व समुदाय चंतित रहता है।

5. मादक पदार्थ पैदा करने वाले म्यांमार-लाओस-थाईलैंड के 'गोल्डन ट्राएंगल' और ईरान-अफगानिस्तान-पा कस्तान के 'गोल्डन क्रेसेंट' कहे जाने वाले क्षेत्रों के बीच भारत की संवेदनशील भौगो लक स्थिति के कारण हमारे लए यह समस्या और भी जटिल हो जाती है । सीमावर्ती क्षेत्रों में नशीले पदार्थों की तस्करी के कारण इनके दुरुपयोग में बढ़ोतरी के साथ-साथ आतंकवाद और राजनीतिक अशांति की समस्याएँ भी जुड़ जाती हैं । इसी लए पंजाब और म णपुर जैसे सीमावर्ती राज्यों में और भी अ धक सतर्कता और निरंतर प्रयासरत रहने की आवश्यकता है।

6. नशीले पदार्थों और शराब के व्यसन की समस्या व्यक्ति , परिवार, और समाज को स्वास्थ्य, संस्कृति, वकास और राजनीति सहित अनेक क्षेत्रों में प्रभा वत करती है। यह समस्या गरीबी को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा, देश के मानवीय संसाधनों और लोक-कल्याण के लए एक चुनौती है। हमारे सं वधान के अनुच्छेद 47 में भी प्रावधान कया गया है क 'राज्य मादक पेयों और स्वास्थ्य के लए हानिकारक औष धयों के उपभोग का प्रतिषेध करने का प्रयास करेगा।' इस समस्या का सामना करने के लए

International Conventions तथा राष्ट्रीय अ धनियम एवं नीतियां लागू हैं। परंतु प्रभावी समाधान के लए समाज और समुदायों की स क्रय भागीदारी होना आवश्यक है। समाज की स क्रय भागीदारी को प्रोत्साहित करने में आज के इन राष्ट्रीय पुरस्कारों की वशेष भू मका है।

7. अवैध मादक पदार्थों के दुरुपयोग से स्वास्थ्य की भारी चुनौतियां पैदा हो रही हैं। खासकर युवा पीढ़ी और स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों पर इस खतरे का अ धक बुरा असर पड़ता है। अक्सर युवाओं तथा बच्चों द्वारा सा थयों के दबाव में अवैध मादक पदार्थों का दुरुपयोग शुरू कया जाता है। प्राय: ऐसे युवाओं में इन पदार्थों से होने वाली हानि के बारे में जागरूकता भी नहीं होती है। सामाजिक और आ र्थक वातावरण में हो रहे निरंतर बदलाव तथा हर क्षेत्र में बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा के कारण, युवा-वर्ग में मनोरो गयों की संख्या भी बढ़ी है और मादक पदार्थों तथा मद्यपान का प्रचलन भी। इसी लए इस समस्या के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक समाधान उतने ही ज़रूरी हैं जितने कानून और च कत्सा के द्वारा कए जाने वाले उपाय। नशाग्रस्त युवाओं की प्रभावी नशामुक्ति के लए उन्हे सार्थक रूप से रोजगार-युक्त बनाकर समाज के साथ जोड़ने की जरूरत है।

8. नशीले पदार्थों के दु रुपयोग की समस्या को जागरूकता, रोकथाम की जानकारी, प्रोत्साहन, तथा समर्थन के प्रयासों से हल कया जा सकता है। इन प्रयासों में नशा-प्रभा वत लोगों प्रति करुणा और सहानुभूति भी आवश्यक है। माता- पता , शक्षकों , च कत्सकों , स्थानीय और स्वैच्छिक संस्थाओं के लोगों को ट्रेनिंग दे कर च कत्सा और पुनर्वास के प्रयासों में बड़े पैमाने पर शा मल कया जाना चाहिए। मुझे खुशी है क इन दिशाओं में आगे बढ़ने के लए सामाजिक न्याय एवं अ धकारिता मंत्रालय द्वारा कदम उठाए जा रहे हैं।

9. मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है क केंद्र सरकार द्वारा 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डफेंस ' के माध्यम से शक्षण संस्थानों में

जागरूकता बढ़ाने का कार्य कया जा रहा है। इन प्रयासों में एनएसएस और स्पिक-मैके जैसी संस्थाओं का सहयोग लया गया है। रे डयो पर एक शक्षाप्रद और प्रेरक कार्यक्रम प्रसारित हो रहा है। लगभग चार सौ नशा-मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र चलाए जा रहे हैं। और भी अनेक प्रयास कए जा रहे हैं। मैं इन सभी प्रयासों के लए सामाजिक न्याय एवं अ धकारिता मंत्रालय की सराहना करता हूँ। इन प्रयासों को और बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाने की ज़रूरत है। मुझे बताया गया है क न शीले पदार्थों के दुरुपयोग की समस्या के प्रामा णक आकलन के लए एक व्यापक सर्वेक्षण पर काम चल रहा है। इससे प्राप्त होने वाले परिणामों से हमारे राष्ट्रीय प्रयासों को और अ धक स्पष्ट फोकस के साथ आगे बढ़ाया जा सकेगा।

10. आज मादक पदार्थों के वरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता व्यक्त करने के अवसर पर अपने देश से ऐसे पदार्थों और मद्यपान के व्यसन से अपने समाज और देश को मुक्त कराने का हम सभी संकल्प करें। मुझे पूरा वश्वास है क मंत्रालय द्वारा कए जा रहे प्रयासों से समाज के व भन्न क्षेत्रों की भागीदारी को बल मलेगा। ऐसे प्रयासों और बेहतर भागीदारी के बल पर हम मद्यपान और मादक पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त भारत के सपने को साकार कर सकेंगे।

धन्यवाद

जय हिन्द!